प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रपति ने गोद लिए 9.5 लाख तपेदिक रोगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को तपेदिक यानि (टीबी) से मुक्त करने के विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 से पांच साल पहले से शुरू कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 9 सितंबर को शुरू प्रधानमंत्री-टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 9.5 लाख से अधिक तपेदिक रोगियों को देखभाल के लिए गोद लिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत तपेदिक रोगियों की विशेष व्यक्ति, निर्वाचित प्रतिनिधियों या संस्थानों के संरक्षण में देखभाल की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा कि नि-क्षय पोर्टल 2.0 पर नि-क्षय मित्र (टीबी रोगी की देखभाल करने वाले) के तहत 15,415 पंजीकरण कराए गए हैं, जिसमें व्यक्ति, संगठन, उद्योग और निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में वर्तमान में इलाज के लिए बहु-दवा प्रतिरोधी सहित कुल 13,53,443 टीबी रोगियों में से 9.57 लाख रोगियों ने देखभाल के लिए अपनाए जाने को लेकर अपनी सहमति दी है और उनमें से लगभग सभी (9,56,352) को शनिवार तक देखभाल के लिए अपनाया जा चुका है। सरकार का लक्ष्य 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन तक सभी सहमति वाले टीबी रोगियों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। टीबी के मरीजों की देखभाल के लिए आगे आने वाले लोगों और संस्थाओं को नि-क्षय मित्र कहा जाएगा।

लोग प्रखंड, जिलों को अपना सकते हैं या किसी मरीज को देखभाल के लिए अपना सकते हैं और उन्हें ठीक होने में मदद करने के लिए पोषण तथा उपचार सहायता प्रदान कर सकते हैं। चार-आयामी समर्थन में पोषण, अतिरिक्त निदान, अतिरिक्त पोषक तत्वों की खुराक और व्यावसायिक सहायता शामिल हैं। मरीजों की देखभाल करने वाले दानकर्ताओं में हितधारक, निर्वाचित प्रतिनिधि, राजनीतिक दलों से लेकर कॉरपोरेट, गैर सरकारी संगठन, संस्थान शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक तपेदिक रोगी के लिए तीन किलोग्राम चावल, 1.5 किलोग्राम दाल, 250 ग्राम वनस्पति तेल और एक किलोग्राम दूध पाउडर या छह लीटर दूध अथवा एक किलोग्राम मूंगफली युक्त मासिक भोजन की सिफारिश की गई है।

एक आधिकारिक सूत्र के अनुसार, इसमें तीस अंडे भी जोड़े जा सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में 65 से 70 प्रतिशत टीबी के मरीज 15 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के हैं। एक टीबी के मरीज को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता की न्यूनतम अवधि एक वर्ष होगी। हालांकि, इसे दो या तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि यह एक स्वैच्छिक पहल है।

विधि स्नातक अपना समय और ऊर्जा कानूनी सहायता में समर्पित करें : सीजेआई यूयू ललित

कटक (एजेंसी)। चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित ने ओडिशा में विधि स्नातकों से कहा कि वे कानूनी सहायता के काम के प्रति अपना समय और ऊर्जा समर्पित करें।

दरअसल, प्रधान न्यायाधीश ने ओडिशा में स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन के दौरान विधि स्नातकों से पेशे के प्रति पूर्ण जुनून रखने और नागरिकों के प्रति करुणा दिखाने का आह्वान किया। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने कहा कि एक साल से अधिक समय तक राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ अपने जुड़ाव के दौरान उन्होंने देखा कि देश में कानूनी सहायता के काम को कई

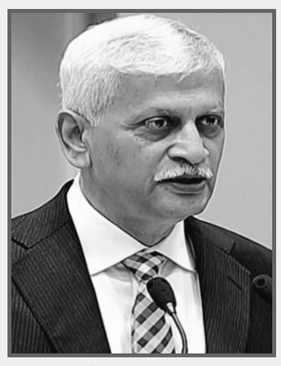

बार उपेक्षा का सामना करना पड़ा। चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित ने युवा स्नातकों से कानूनी सहायता कार्य के लिए अपना समय और ऊर्जा समर्पित करने का आग्रह किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इसके बाद, समाज हर मोड़ पर आपके योगदान को लेकर उत्सुक रहेगा। उन्होंने कहा कि जब नागरिक अधिकारों को अक्षुण्ण रखने की बात आती है, तो कानून का पेशा अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इस मौके पर कुल 221 स्नातकों को डिग्री प्रदान की गई। बता दें, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्य न्यायाधीश को सुनने के लिए विधि स्नातकों के बीच काफी उत्साह नजर आया। लॉ की पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों ने बड़े ही ध्यान से चीफ जस्टिस की बातें सुनी।

जन्म के 2 घंटे बाद तक नाले में पड़े रोता रहा नवजात, मुस्लिम युवक ने बचाई मासूम की जान

औरैया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जहां पर एक नवजात को जन्म के बाद पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया गया। जिंदगी और मौत के बीच फंसा यह नवजात दो घंटे तक नाले में पड़ा रहा। यह मामला औरैया के सहायल थाना क्षेत्र का है। इस घटना के बाद युनूस खान नामक व्यक्ति ने उस नवजात को नई जिंदगी दी। बताया जा रहा है कि सहायल थाना क्षेत्र का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से करीब 100 मीटर दूर एक नाला है। वहीं पर स्वास्थ्य केंद्र की तरफ जाने वाले रास्ते पर लहरापुर गांव के निवासी युनूस खान की जूता-चप्पल की दुकान है।

युनूस खान को नाले में पड़ा मिला नवजात

युनूस खान के अनुसार, वह किसी काम के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई पड़ी। जब वह उस दिशा में आगे बढ़े तो देखा कि एक नवजात नाले में पड़ा है। यह नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिसके बाद उन्होंने उसे नाले से बाहर निकालकर अपने सीने से लगा लिया। वहीं आसपास के लोगों की मदद से नवजात को कपड़े में लपेटकर वह सीधे अस्पताल की तरफ दौड़ पड़े। इस दौरान मासूम के नाले में मिलने की खबर से वहां पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वहीं डॉक्टर संजय बाजपेई ने फौरन बच्चे का इलाज शुरुकर दिया। उन्होंने बताया कि अब नवजात पूरी तरह से स्वस्थ है। हॉस्पिटल स्टॉफ के जिरिए चम्मच से दूध पिलाया गया।

पुलिस कर रही मामले की जांच

डॉक्टर संजय बाजपेई ने बताया कि अनुमान है

नवजात का जन्म नाले में मिलने से दो घंटे पहले ही हुआ होगा। बच्चे की नाड़ी भी उससे जुड़ी हुई थी। वहीं युनूस खान ने जानकारी देते हुए बताया कि नाले मे पानी कम था और बच्चे का सिर ऊपर की तरफ था। इस कारण उसकी जान बच गई। इसी दौरान मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर अस्पताल पहुंच गई। थानाध्यक्ष पंकज मिश्र ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। प्राथमिक इलाज के बाद उसे जच्चा-बच्चा वार्ड औरैया जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। वहीं पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर नवजात को नाले में किसने और क्यों फेंका। आसपास के लोग भी कई तरह की बातें करते सुनाई दे रहे हैं।

सबसे बड़े सफाई अभियान स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर का समापन

आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्लास्टिक मुक्त महासागर पर विशेष जोर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस के अवसर पर सबसे बड़े तटीय सफाई अभियान की आज महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह की उपस्थिति में मुंबई के जुहू बीच पर झंडी दिखाकर शुरूआत की। विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के 2000 से अधिक बच्चों के साथ आईसीजी कर्मियों ने मुंबई के विभिन्न स्थानों जैसे जुहू, गिरगांव, वरसोवा, उत्तान, मड मारवे, कोलाबा, बांद्रा और वर्ली में समुद्र तटों की सफाई की।

इस अवसर पर, महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा, भारतीयों में प्राचीन काल से धरती माता के प्रति गहरी श्रद्धा है। उन्होंने कहा, हालांकि, आज लोगों में पृथ्वी, समुद्र और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना कम होती जा रही है। राज्यपाल ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि न केवल भूमि, बल्कि महासागर भी प्लास्टिक और गंदगी से भर गए हैं। उन्होंने वर्ष भर तटीय सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा, जब देश अमृतकाल से गुजर रहा है, हमें स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए स्वच्छ भारत और स्वच्छ समुद्री तट रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर के अभियान में सुरक्षित भारत शब्द जोड़ा जा सकता है क्योंकि स्वच्छता देश को सुरक्षित रखती है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत की 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा 2047 के भारत के विजन को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगी। डॉ. सिंह ने

बताया कि समुद्र तटों से 15 हजार टन प्लास्टिक कचरा हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। समुद्र तटों की सफाई पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा, हमें अपने राष्ट्र के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपने कम उपयोग किए गए समुद्री संसाधनों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत की जैव-अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और 2025 तक लगभग 1500 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह बताते हुए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है विभिन्न विभागों और संगठनों को साइलो में काम नहीं करना चाहिए, डॉ. सिंह ने कहा कि स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर अभियान पूरी सरकार और राष्ट्रव्यापी तरीके से लागू किया गया है, जिसमें सभी तटीय राज्यों के नागरिक भाग ले रहे हैं। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि अगले कुछ वर्षों में भारतीय समुद्र के तल का पता लगाने जाएंगे जैसे उन्होंने बाहरी अंतरिक्ष की खोज की है।

भारतीय तटरक्षक महानिदेशक श्री वी.एस. पठानिया ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठन इस अभियान में पर्यावरण के लिए अपनी चिंताएं व्यक्त करने के लिए आगे आए हैं और इस प्रकार स्वयंसेवकों की भारी भीड़ को देखना बहुत उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि उनका संगठन आईसीजी मानता है कि पर्यावरण की सेवा उनका प्राथमिक कर्तव्य है। आईएसजी 2006 से इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर संयुक्त राष्ट्र की निरन्तर विकास लक्ष्य संख्या 14 के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप सफल रहा है। 75 दिन पहले शुरू इस अभियान में तटीय सफाई अभियान में जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाने के लिए कई तरह के कार्य किए गए।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने कहा कि महासागरों का स्वास्थ्य पहले की तुलना में तेजी से खराब हो रहा है, और इसलिए, हमारे महासागरों की रक्षा करना अनिवार्य है। यदि महासागर नहीं हैं, तो मानसून कम होगा और महासागरों का जीवन प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए महासागरों का प्रदूषण रोकने की जरूरत है। इस अवसर पर सांसद (मुंबई उत्तर-मध्य) पूनम महाजन, पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल, सतीश मोध और एनसीसी, गैर सरकारी संगठनों और तटरक्षक बल के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस

इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई (आईसीसी) दिवस को प्रधानमंत्री की सामूहिक स्वच्छता और सफाई अभियान स्वच्छ भारत अभियान की अपील और स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के कारण सकारात्मक गति मिली है। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्लास्टिक मुक्त महासागर पर विशेष जोर देने के साथ 75 मिनट के लिए 75 समुद्र तटों पर 7,500 किलोमीटर की भारतीय तट रेखा के साथ-साथ स्वच्छता अभियान चलाना है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (एस एसीईपी) के तत्वावधान में हर साल सितम्बर के तीसरे सप्ताह में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई (आईसीसी) दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय तटरक्षक बल 2006 से भारत में तटीय आबादी और छात्रों के बीच सुरक्षित और स्वच्छ समुद्र तटों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आईसीसी गतिविधि को संयोजित कर रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल के अलावा, आईसीसी-22 का नेतृत्व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओई एफसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एसएस), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और केन्द्र और राज्य सरकार के विभिन्न अन्य विभागों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा किया जा रहा है। यह वर्ष आज़ादी का अमृत महोत्सव के कारण विशेष है, अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस के रूप में 17 सितंबर, 2022 से 75 दिन पहले यानी 04 जुलाई, 22 से विभिन्न कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं। अकेले मुंबई में एनएसएस और एनजीओ माई ग्रीन सोसाइटी के साथ भारतीय तटरक्षक द्वारा कॉलेजों और स्कूलों में 22 जागरूकता अभियान चलाए गए हैं। पूरे पश्चिमी तट पर 7.5 किमी के वॉकाथन, 750 पेड़ों के वृक्षारोपण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं और मोटर साइकिल रैलियां भी आयोजित की गईं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मछली पकड़ने वाले विभिन्न गांवों में मछुआरों के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ विशेष सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम मनाए गए। भारत सरकार ने 05 जुलाई, 22 को ईसीओ-मित्रम नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है ताकि इस अभियान को सभी तक पहुंचाया जा सके और अत्यधिक प्रतिक्रिया मिलना इस बात का प्रमाण है कि हमारे जागरूक-नागरिक आईसीसी-22 का हिस्सा बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय स्वच्छता लीग के साथ स्वच्छ अमृत महोत्सव की शुरुआत

समुद्र तटों, पहाड़ियों और पर्यटन स्थलों की सफाई के लिए पांच लाख युवाओं ने हाथ मिलाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश ने क्रिकेट से लेकर कबड्डी तक कई तरह की लीग देखी है। आज इनसे 10 लीग - इंडियन स्वछता लीग की बात करें। यह लीग शहर के युवाओं द्वारा संचालित स्वच्छता के मानदंडों पर खेली गई एक इंटरसिटी प्रतियोगिता का नाम है। इंडियन स्वच्छता लीग के पहले आयोजन में साफ समुद्र तटों, पहाड़ियों और पर्यटन स्थलों के लिए पांच लाख से अधिक युवाओं ने हाथ मिलाया है। इंडियन स्वछता लीग द्वारा स्वच्छ अमृत महोत्सव की शुरुआत की गई, जो 17 सितंबर, 2022, सेवा दिवस से 2 अक्टूबर, 2022, गांधी जयंती तक स्वच्छता से संबंधित कार्यों को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का एक पखवाड़ा है। दिन की शुरुआत पूरे दिल से भागीदारी और अत्यधिक प्रेरित युवा टीमों की उपस्थिति के साथ गर्व के साथ अपनी टीम की पहचान के साथ हुई। पुरी सेवियर्स, आइजोल क्लीन एवेंजर्स, गजब गाजियाबाद, स्वच्छता वारियर्स, स्वच्छ विशाखा वारियर्स, बेमिसाल भोपाल, स्वच्छता वारियर्स झांसी की टीमों ने स्वच्छता में अपने शहरों का प्रतिनिधित्व किया और कचरा-मुक्त शहरों के सपने को साकार करने का उत्साह दिखाया।

क्रिकेटर कुलदीप सेन, राहुल देव, मुग्दा गोडसे और अनुभवी अभिनेता जीतेंदर, प्लॉगर रिपु दमन बेवली जैसे अभिनेता अपनी शहर की टीमों का समर्थन करने वाले आंदोलन में शामिल हुए। त्रिची रॉकर्स के एम्बेसडर, ट्रैप शूटर आर. पृथ्वीराज तोंडईमन ने अपने शहर को साफ रखने के लिए बढ़-चढ़कर नेतृत्व किया।

कई शहरों में हुई बारिश की बौछारों के बावजूद, लाखों युवाओं की भागीदारी ने विभिन्न प्रमुख नेताओं, नागरिकों, स्थानीय प्रभावितों की उपस्थिति को आकर्षित किया। जबकि चंडीगढ़ चैलेंजर्स ने शहर के इतिहास में सबसे बड़ी मानव श्रृंखला बनाकर प्रसिद्ध रोज गार्डन पर स्रोत पर बेहतर अपशिष्ट पृथक्करण के लिए चार डिब्बे के उपयोग पर जोर देने के लिए हर दिन, चार बिन के संदेश के साथ अपना क्रियाकलाप शुरू किया। राजकोट में स्वच्छता मिशन का समर्थन करने को लेकर सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए फन रन एंड यूथ रन अभियान चलाया गया। जबकि मिजोरम के उप मुख्यमंत्री पु तवंलुइया ने टीम आइजोल क्लीन एवेंजर्स की युवा रैली को साकावरहमुइतुई तलंग, मुथी प्रेयर माउंटेन और हलिमेन पार्क में साफ-सफाई के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून में कचरे के खिलाफ जंग जीतने के लिए 2000 से अधिक युवाओं की टीम में शामिल हुए। मलाड के चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल ने मुंबई के अक्सा बीच की सफाई की, नई दिल्ली पालिका परिषद (एनडीएमसी) की टीम ने प्रसिद्ध हनुमान मंदिर की सफाई की, जबकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की टीम कुतुब मीनार, अक्षरधाम मंदिर और भारत दर्शन पार्क के आसपास सफाई में जुटी। गजब गाजियाबाद की टीम ने मकनपुर झील को पर्यटन स्थल बनाने के लक्ष्य के साथ कायाकल्प करना शुरू किया, जो एक कचरा डंपिंग साइट थी। झांसी में टीम स्वच्छता वारियर्स किला गेट और आतिया तालाब की सफाई के लिए पैदल निकल पड़ी। मालवन वारियर्स ने अपने समुद्र तटों को साफ करने की कोशिश की, टीम पुरी सेवियर्स पुरी समुद्र तट को साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान में शामिल थी।